हैनान मुक्त व्यापार बंदरगाह

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक नीति (मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-II और III) | समाचार संदर्भ: मई 2026 (समीक्षा); व्यवस्था शुभारंभ 18 दिसंबर 2025 | प्रकाशित: 23 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

चीन का हैनान द्वीप मुक्त व्यापार और सीमा-शुल्क नियमों के एक बड़े प्रयोग का केंद्र बना है। मई 2026 में प्रकाशित सरकारी विवरणों और समाचार विश्लेषण में वहाँ लागू विशेष सीमा-शुल्क व्यवस्था के शुरुआती परिणाम सामने आए। इसका उद्देश्य विदेश से सामान लाने, स्थानीय प्रसंस्करण और व्यापार को आसान बनाना है। इस व्यवस्था को मई में शुरू हुई नई योजना नहीं समझना चाहिए। पूरे द्वीप पर विशेष सीमा-शुल्क परिचालन 18 दिसंबर 2025 को शुरू हुआ था। मई का संदर्भ उसके कामकाज और प्रभावों की समीक्षा है।

मुक्त व्यापार बंदरगाह का अर्थ:

आम तौर पर बंदरगाह जहाजों और माल के आवागमन का स्थान होता है। लेकिन 'मुक्त व्यापार बंदरगाह' या Free Trade Port (FTP) एक आर्थिक व्यवस्था भी है। उसमें निर्धारित क्षेत्र में आयात, भंडारण, प्रसंस्करण और पुनर्निर्यात पर शुल्क व प्रशासनिक प्रक्रियाएँ अपेक्षाकृत आसान की जाती हैं। हैनान के मामले में यह व्यवस्था केवल एक समुद्री टर्मिनल तक सीमित नहीं है। चीन ने पूरे द्वीप को विशेष सीमा-शुल्क निगरानी क्षेत्र बनाया है। यह दक्षिण चीन सागर में स्थित चीन का प्रांत है। अलग सीमा-शुल्क व्यवस्था बनने से वह अलग देश या हांगकांग जैसा विशेष प्रशासनिक क्षेत्र नहीं बन जाता।

'दो रेखाओं' की व्यवस्था कैसे चलती है?

पहली रेखा: हैनान और चीन की सीमा-शुल्क सीमा के बाहर के क्षेत्रों के बीच व्यापार। यहाँ पात्र वस्तुओं के प्रवेश को अधिक आसान किया जाता है। **दूसरी रेखा:** हैनान से चीन की मुख्यभूमि की ओर माल का प्रवेश। यहाँ सामान्य सीमा-शुल्क नियंत्रण लागू होते हैं, हालांकि निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले उत्पादों को विशेष छूट मिल सकती है। **द्वीप के भीतर:** माल के प्रवाह को सुगम बनाने की कोशिश होती है। इसीलिए 'कस्टम्स क्लोजर' का अर्थ द्वीप को पर्यटकों या दुनिया के लिए बंद कर देना नहीं है। यहाँ सीमा-शुल्क निगरानी का विशेष ढाँचा बनाया गया है।

शून्य शुल्क: छूट है, लेकिन सार्वभौमिक नहीं

चीनी सरकार के दिसंबर 2025 के विवरण के अनुसार शून्य-शुल्क के दायरे में आने वाली मदों का हिस्सा लगभग 21 प्रतिशत से बढ़कर 74 प्रतिशत हुआ। संबंधित मदों की संख्या करीब 1,900 से बढ़कर 6,600 से अधिक हुई। ये सीमा-शुल्क वर्गीकरण की मदें हैं; इसे देश के कुल व्यापार-मूल्य का 74 प्रतिशत नहीं समझना चाहिए। मई 2026 के सरकारी विवरण में इस बदलाव को सकारात्मक सूची से नकारात्मक सूची आधारित प्रबंधन की ओर जाना बताया गया। सरल अर्थ में, सकारात्मक सूची में जिन मदों का नाम है उन्हीं को छूट मिलती है। नकारात्मक सूची में बाहर रखी गई मदों को चिन्हित किया जाता है और बाकी के लिए लागू पात्रता-नियम देखे जाते हैं। इससे भी यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि हर कंपनी का हर सामान स्वतः कर-मुक्त है। **स्थानीय मूल्यवर्धन की शर्त:** कुछ पात्र शून्य-शुल्क वस्तुओं को हैनान में संसाधित करने के बाद मुख्यभूमि भेजने पर आयात-शुल्क से छूट मिल सकती है, यदि स्थानीय प्रसंस्करण से कम-से-कम 30 प्रतिशत मूल्यवर्धन की शर्त पूरी हो। मूल्यवर्धन का अर्थ उत्पादन या प्रसंस्करण से वस्तु के आर्थिक मूल्य में वृद्धि है। इसे केवल सामान का लेबल बदल देना नहीं माना जा सकता। यह नीति का सरल परिचय है, किसी कारोबार के लिए कर-सलाह नहीं। पात्रता, मूल्यवर्धन की गणना और अन्य लागू करों की अलग जाँच जरूरी है। 'आयात-शुल्क छूट' को 'किसी भी प्रकार का कोई कर नहीं' कहना गलत होगा।

शुरुआती आँकड़े क्या बताते हैं?

मई में प्रकाशित सीमा-शुल्क अधिकारियों के विवरण के अनुसार 2026 की पहली तिमाही में हैनान का वस्तु आयात-निर्यात 84.53 अरब युआन रहा, जो एक वर्ष पहले की तुलना में 38.5 प्रतिशत अधिक था। उसी अवधि में शून्य-शुल्क वस्तुओं का आयात 1.6 अरब युआन बताया गया। ये अलग-अलग माप हैं; छोटे आँकड़े को कुल व्यापार का पर्याय नहीं बनाना चाहिए। पर्यटन से जुड़ी शुल्क-मुक्त खरीद भी अलग नीति है। 12 मई के प्रांतीय सरकारी विवरण में नवंबर 2025 से अप्रैल 2026 तक छह महीनों की ऐसी बिक्री 22.22 अरब युआन बताई गई। इस अवधि की शुरुआत दिसंबर में पूरे द्वीप की सीमा-शुल्क व्यवस्था शुरू होने से पहले की है। इसलिए पूरी बिक्री को उसी एक बदलाव का परिणाम मानना उचित नहीं है। ये सरकारी आँकड़े शुरुआती गतिविधि दिखाते हैं, दीर्घकालीन सफलता का अंतिम प्रमाण नहीं। निवेश की गुणवत्ता, रोजगार, स्थानीय उद्योगों को लाभ और सरकारी राजस्व पर प्रभाव की जाँच भी करनी होगी।

हांगकांग से तुलना की सीमा:

हैनान को व्यापार और पर्यटन केंद्र बनाने की कोशिश हो रही है, लेकिन कम सीमा-शुल्क और हांगकांग जैसी वित्तीय व्यवस्था एक ही बात नहीं हैं। हांगकांग की अलग कानूनी और वित्तीय संस्थागत स्थिति है। हैनान चीन का प्रांत रहते हुए विशेष सीमा-शुल्क प्रयोग कर रहा है। इसलिए उसे 'नया हांगकांग बन गया' कहना उपलब्ध परिणामों से आगे जाना होगा। व्यापार केंद्र की सफलता केवल कर-छूट पर निर्भर नहीं होती। अनुबंधों का भरोसेमंद पालन, सेवाएँ, कुशल श्रम, परिवहन, वित्त और अनुमान लगाने योग्य नियम भी जरूरी हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया के मौजूदा व्यापार केंद्रों से प्रतिस्पर्धा भी बनी रहेगी।

भारत के लिए क्या सीख है?

प्रक्रिया सुधार: विशेष आर्थिक क्षेत्र की घोषणा के साथ सीमा-शुल्क निकासी, परिवहन और दस्तावेजी काम को आसान बनाना जरूरी है। केवल सस्ती दरें पर्याप्त नहीं होतीं। **घरेलू अर्थव्यवस्था से जुड़ाव:** स्थानीय मूल्यवर्धन जैसी शर्त का उद्देश्य केवल माल के आने-जाने के बजाय उत्पादन को बढ़ाना हो सकता है। भारत के लिए सीख यह है कि विशेष क्षेत्रों का लाभ स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं और रोजगार तक पहुँचे। यह हैनान की शर्तों को हूबहू अपनाने का सुझाव नहीं है। **सुविधा और निगरानी का संतुलन:** माल का तेज प्रवाह तथा शुल्क चोरी रोकना दोनों लक्ष्य हैं। स्पष्ट नियम और जोखिम-आधारित निगरानी इनके बीच संतुलन में मदद कर सकते हैं। **परिणाम से मूल्यांकन:** पंजीकृत कंपनियों की संख्या के साथ वास्तविक निवेश, निर्यात की अतिरिक्त वृद्धि और रोजगार की गुणवत्ता को देखना चाहिए। ये विश्लेषण की कसौटियाँ हैं, भारत में किसी नई घोषित नीति का विवरण नहीं।

मुख्य परीक्षा शैली: अभ्यास प्रश्न

'विशेष व्यापार क्षेत्रों की सफलता कर-रियायतों से अधिक संस्थागत गुणवत्ता और घरेलू अर्थव्यवस्था से उनके जुड़ाव पर निर्भर करती है।' हैनान के अनुभव के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: विशेष व्यापार क्षेत्र सीमा-शुल्क और कारोबारी प्रक्रियाओं को आसान बनाकर निवेश आकर्षित करते हैं। लेकिन रियायतें स्वयं स्थायी विकास की गारंटी नहीं हैं।

मुख्य भाग में: हैनान में पात्र आयात पर शून्य शुल्क का दायरा बढ़ा और स्थानीय मूल्यवर्धन वाले उत्पादों के लिए मुख्यभूमि तक पहुँच की सुविधा बनी। इससे प्रसंस्करण और आपूर्ति-श्रृंखलाओं को अवसर मिल सकते हैं। फिर भी वास्तविक लाभ के लिए परिवहन, भरोसेमंद नियम, कुशल श्रम और सक्षम निगरानी जरूरी हैं। हांगकांग से तुलना भी सीमित है, क्योंकि दोनों की कानूनी और वित्तीय स्थितियाँ अलग हैं। शुरुआती व्यापार-वृद्धि से अकेले दीर्घकालीन सफलता सिद्ध नहीं होती।

निष्कर्ष में: भारत को ऐसी व्यवस्थाओं का मूल्यांकन वास्तविक निवेश, अतिरिक्त रोजगार और स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को लाभ के आधार पर करना चाहिए। सुविधा, पारदर्शिता और घरेलू जुड़ाव कर-रियायतों के आवश्यक पूरक हैं।

स्रोत और सीमाएँ

- चीन सरकार: 18 दिसंबर 2025 की सीमा-शुल्क व्यवस्था और पात्रता (पढ़ा): https://english.www.gov.cn/news/202512/18/content_WS6943ac7dc6d00ca5f9a082cb.html
- मई 2026 में प्रकाशित सीमा-शुल्क अधिकारियों का विवरण (पढ़ा): http://english.scio.gov.cn/m/pressroom/2026-05/18/content_118501318_13.html
- हैनान सरकार: 12 मई 2026 का शुल्क-मुक्त खरीद विवरण (पढ़ा): https://en.hainan.gov.cn/englishsite/Updates/202605/a5d62d0ae7a1488797985bbf36d22470.shtml
- 25 मई 2026 का स्वतंत्र व्याख्यात्मक लेख, द हिंदू (पढ़ा): https://www.thehindu.com/news/international/what-is-chinas-hainan-ftp-initiative-explained/article71017676.ece
- हैनान प्रयोग की संभावनाओं और सीमाओं पर स्वतंत्र रिपोर्ट, रॉयटर्स 18 दिसंबर 2025 (पढ़ा): https://www.reuters.com/world/china/china-launches-113-billion-free-trade-experiment-hainan-island-2025-12-18/
- **सीमाएँ:** चीनी सरकारी विवरण सरकार-प्रकाशित हैं, स्वतंत्र सत्यापन नहीं। 74% और 6,600+ के आँकड़े सीमा-शुल्क मदों से जुड़े हैं, कुल व्यापार-मूल्य से नहीं। प्रांतीय निवेश-मार्गदर्शिका चित्र-रूप में होने से नहीं पढ़ी गई। शुल्क-मुक्त खरीद कोटा के परस्पर विरोधी आँकड़ों (10,000 बनाम 100,000 युआन) को विवाद के कारण नहीं रखा गया।

इसी विषय का प्रारंभिक परीक्षा (तथ्य) लेख: हैनान मुक्त व्यापार बंदरगाह — प्रमुख तथ्य